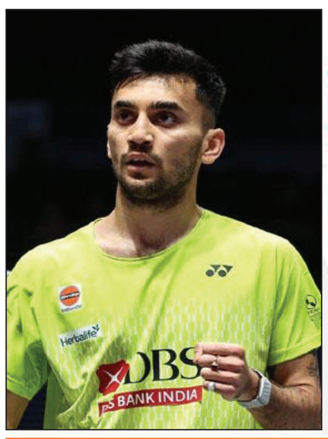

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन-यी ने पेज: 7

गोलमाल 5 से जुड़ी साउ ए ट्रेस प्रियामणि पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 326 | सोमवार 09 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

शिक्षित, सशक्त महिलाएं प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षित एवं सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा कि 'नारी शक्ति' विविध क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है और साहस के साथ नेतृत्व कर रही है जिससे अधिक समावेशी और समृद्ध समाज की नींव मजबूत होती है। उन्होंने कहा, ''आइए, इस अवसर पर हम ऐसे समाज के निर्माण के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करें, जहां हर महिला को आगे बढ़ने और गरिमा, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के समान अवसर मिलें।'' राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। उन्होंने कहा, ''आइए, हम मिलकर ऐसा माहौल बनाएं, जहां महिलाओं की आकांक्षाएं और उपलब्धियां बेहतर भविष्य को आकार दें।''

पीएम मोदी ने दीं नारी शक्ति को शुभकामनाएं, कहा- महिलाएं दे रहीं भारत की प्रगति को आकार

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश की नारी शक्ति को अपनी शुभकामनाएं दीं और भारत की प्रगति को दिशा देने में उनकी बढ़ती भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाएं अपने दृढ़ संकल्प, रचनात्मकता और उत्साह के साथ भारत की प्रगति को आकार दे रही हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं देश की नारी शक्ति को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। हर क्षेत्र में महिलाएं अपने दृढ़ संकल्प, रचनात्मकता और अद्वितीय उत्साह के साथ भारत की प्रगति को आकार दे रही हैं। उनकी उपलब्धियां हमारे देश को प्रेरित करती हैं और

विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को और मजबूत बनाती हैं। उन्होंने लिखा, महिला सशक्तिकरण हमारी अलग-अलग योजनाओं और पहलों के केंद्र में है। हम ऐसे अवसर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनसे हर महिला अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सके और भारत की विकास यात्रा में योगदान दे सके। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं और राष्ट्र निर्माण में बदलाव लाने वाली भूमिका की एक मजबूत याद दिलाती हैं। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, महिलाओं की उम्मीदें और योगदान एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की ओर हमारी सामूहिक यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक में जमीनी स्तर पर महिलाओं

जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत........

माईगव इंडिया के अनुसार, 28 करोड़ से अधिक जन धन खातों के माध्यम से महिलाएं औपचारिक बैंकिंग से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही हैं। जीईएम के माध्यम से 2 लाख महिला-नेतृत्व वाले एमएसई 80 हजार करोड़ रुपए....

के जीवन में किस प्रकार परिवर्तन आया है। उन्होंने देशभर में महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों के प्रभाव का भी जिक्र किया। वहीं माईगव इंडिया से किए गए एक्स पोस्ट में लिखा है, कभी समाज की धारणाएं भारतीय महिलाओं की भूमिका तय करती थीं, लेकिन आज वही महिलाएं विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, रक्षा और जनसेवा जैसे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण अब केवल सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि महिला-नेतृत्व विकास के माध्यम से भारत की विकास यात्रा में महिलाओं के नेतृत्व को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पोस्ट में बताया गया कि 10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शन्स ने धुएं से भरे रसोईघर की मुश्किलों को पीछे छोड़ते हुए महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य और हर दिन लगभग 3 घंटे का अतिरिक्त समय देकर उनके जीवन को आसान बनाया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने 12 करोड़ से अधिक शौचालयों ने लाखों महिलाओं के जीवन में सुरक्षा, स्वच्छता और गरिमा की नई शुरूआत सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 72 प्रतिशत घर महिलाओं के एकल या संयुक्त स्वामित्व में, जो उन्हें सुरक्षित आवास के साथ आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव दे रहे हैं। माईगव इंडिया के अनुसार, 28 करोड़ से अधिक जन धन खातों के माध्यम से महिलाएं औपचारिक बैंकिंग से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही हैं।

28 करोड़ से अधिक जनधन खाते महिलाओं के पास, नए भारत में बढ़ रही भागीदारी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली एजेंसी: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच ने महिलाओं को असली आजादी तक पहुंचने में मदद की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत कर रही हैं और पूरे भारत में घरों और समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जन धन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक 57.71 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं। वहीं, लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से

मजबूत बनाना है। इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, फाइनेंस और अन्य संसाधनों की मदद दी जाती है। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे ज्यादा की आय अर्जित कर सकें। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, जब महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलती है, तो उन्हें स्वतंत्रता मिलती है। महिलाओं के पास अब 28 करोड़ से अधिक जन धन खाते हैं, जो पूरे भारत में घरों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचा रहे हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत कर रहे हैं। इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। गोयल ने आगे कहा कि महिलाएं दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ भारत के परिवर्तन का नेतृत्व कर रही हैं, चाहे वह उद्यमशीलता हो, खेल, रक्षा, विज्ञान या ग्रामीण विकास। इस दिन को मनाते हुए, उन्होंने महिलाओं की शक्ति और आकांक्षाओं का समर्थन करने और एक मजबूत और समृद्ध भारत के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर सरकार पर साधा निशाना, एनएएक्यूएस की समीक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 2009 के 'नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स' (एनएएक्यूएस) की तत्काल समीक्षा और उन्नयन किए जाने की रविवार को मांग की और जोर देकर कहा कि इन्हें अधिक प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, ''पीएम 56 इंच का पदार्फाश हो गया है, पीएम 2.5 अब सच है।'' रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, ''पीएम2.5, यानी 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाला कण पदार्थ पूरे देश में गंभीर पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट का कारण बन चुका है।'' उन्होंने दिसंबर 2024 में 'द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ'

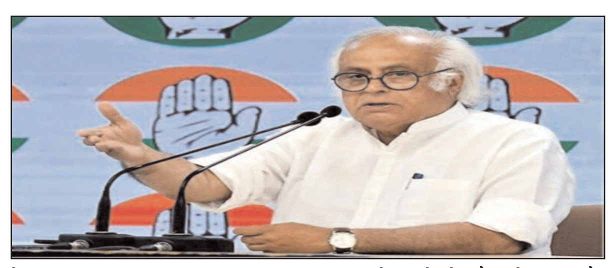

में प्रकाशित एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें 2009-2019 के बीच 655 जिलों के आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि पीएम2.5 सांद्रता में हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के इजाफे से मृत्युदर में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि 2025 के 'लैंसेट काउंटडाउन' के अनुमान के अनुसार, हर साल लगभग 17.2 लाख भारतीयों की पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मौत हो जाती है, जो 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। रमेश ने यह भी कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2024, 2025 और 2026 में संसद को यह बताया था कि वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा संचालित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया है और इस विश्लेषण के अनुसार, 238 में से कोई भी शहर डब्ल्यूएचओ के पीएम2.5 के सुरक्षित मानकों का पालन नहीं कर रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''238 में से 204 शहरों में पीएम2.5 सांद्रता 2009 में एनएएक्यूएस द्वारा निर्धारित स्तरों से ऊपर है। इसके बाद, डब्ल्यूएचओ ने सितंबर 2021 में अपने अद्यतन सुरक्षित मानक की घोषणा की।'' उन्होंने कहा, '' 'नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स, 2009' की तत्काल समीक्षा और उन्नयन की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू की बंगाल यात्रा पर संग्राम, गृह मंत्रालय ने ममता सरकार से मांगी प्रतिवेदन

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान सुरक्षा और प्रोटोकॉल में हुई कथित कमियों को लेकर विवाद गहरा गया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती से इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। केंद्र ने विशेष रूप से चार बिंदुओं, राष्ट्रपति के स्वागत और विदाई के समय मुख्यमंत्री और डीजीपी की अनुपस्थिति, वॉशरूम में पानी की कमी, रास्ते में गंदगी और जिला प्रशासन की जिम्मेदारी पर जवाब मांगा है। राष्ट्रपति ने जताई नाराजगी दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने खुद कार्यक्रमों के इंतजामों पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनसे मिलने क्यों नहीं आईं। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम स्थल में बदलाव और लोगों की कम मौजूदगी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर राष्ट्रपति के आगमन पर मुख्यमंत्री को स्वागत करना चाहिए,

लेकिन वे नहीं आईं। शायद राज्य सरकार आदिवासियों की भलाई नहीं चाहती, इसीलिए उन्हें कार्यक्रम में आने से रोका गया।' हालांकि, उन्होंने ममता बनर्जी को अपनी छोटी बहन जैसा भी बताया। ममता बनर्जी का पलटवार इन आरोपों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया के जरिए सफाई दी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय को इंतजामों की कमी के बारे में सूचित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत प्लान के अनुसार सिलीगुड़ी के मेयर और जिला मजिस्ट्रेट ने राष्ट्रपति का स्वागत किया था और वह खुद उस प्लान का हिस्सा नहीं थीं। ममता बनर्जी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक फायदे के लिए राष्ट्रपति के पद का गलत इस्तेमाल कर रही है। प्रधानमंत्री ने घटना को बताया शर्मनाक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूरी घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी राष्ट्रपति का इस तरह अपमान करना लोकतंत्र और आदिवासी समुदाय के सशक्तिकरण में विश्वास रखने वालों को दुखी करता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और इसकी गरिमा का सम्मान होना चाहिए।

नीतीश कुमार की सियासी विरासत अब बेटे निशांत के हाथ, जदयू में हुई भव्य प्रवेश

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार आधिकारिक तौर पर जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए हैं। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद उन्होंने कार्यकताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। निशांत ने अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि वह इस निर्णय को पूरी तरह स्वीकार करते हैं। पिता के काम को आगे बढ़ाएंगे निशांत निशांत कुमार ने पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर कहा कि वह एक सक्रिय सदस्य के रूप में जेडीयू को मजबूती देंगे। उन्होंने गर्व से कहा कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के लिए जो विकास कार्य किए हैं, उन्हें वह घर-घर तक पहुँचाने का काम करेंगे। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अपना मनोबल ऊंचा रखें और नीतीश कुमार पर अपना भरोसा बनाए रखें। पार्टी में बढ़ेगी जिम्मेदारी निशांत कुमार की इस एंट्री के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि पार्टी में उन्हें कोई बड़ा पद या महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। सदस्यता लेने के बाद अब निशांत पूरे बिहार का दौरा करेंगे। नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल करने के बाद, कार्यकताओं की मांग को देखते हुए निशांत को राजनीति में लाया गया है। डिप्टी सीएम बनने की चर्चा सियासी गलियारों में इस बात की भी जोरदार चर्चा है कि निशांत कुमार को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। माना जा रहा है कि यह कदम नीतीश कुमार की अनुपस्थिति में उनकी कमी को पूरा करने और निशांत को भविष्य की बड़ी राजनीतिक भूमिका के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है।

राष्ट्रपति दौरे पर नहीं टूटा कोई प्रोटोकॉल, ममता बोलीं- 'भाजपा कर रही है देश के पद का अपमान'

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू की सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी संताल सम्मेलन की हालिया यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम एक निजी संस्था द्वारा आयोजित किया गया था। एक बयान में बनर्जी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संताल परिषद ने राष्ट्रपति को सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी संताल सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि उन्नत सुरक्षा समन्वय के बाद, जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति सचिवालय को लिखित रूप में सूचित किया कि आयोजक की तैयारी अपर्याप्त प्रतीत होती है; यह चिंता टेलीफोन पर भी व्यक्त की गई थी। बनर्जी के अनुसार, राष्ट्रपति सचिवालय की अग्रिम टीम ने 5 मार्च को कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और उन्हें व्यवस्थाओं की कमी से अवगत कराया गया, लेकिन

कार्यक्रम निर्धारित समय पर ही जारी रहा। उन्होंने आगे कहा कि माननीय राष्ट्रपति का स्वागत और विदाई सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर, दार्जिलिंग के डीएम और सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्त कार्यालय के सीपी द्वारा राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा साझा की गई अनुमोदित सूची के अनुसार ही की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सूची या मंच योजना का हिस्सा नहीं थी। जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने दलीय एजेंडे के लिए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान और दुरुपयोग कर रही है, और इस स्थिति को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने दलीय एजेंडे के लिए देश के सर्वोच्च पद का अपमान और दुरुपयोग कर रही है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति द्वारा नौवें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के आयोजनों पर निराशा व्यक्त करने, आयोजन स्थल के चयन पर सवाल उठाने और संथाल समुदाय के कई सदस्यों के कार्यक्रम में शामिल न हो पाने पर खेद व्यक्त करने के बाद एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

तमिलनाडु चुनाव में बढ़ी सियासी हलचल, भाजपा भविष्य की रणनीति पर भी नजर

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु की राजनीति इन दिनों काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। आगामी चुनाव में मुख्य रूप से दो बड़े गठबंधनों के बीच मुकाबला दिखाई दे रहा है। एक तरफ भाजपा और अन्नाद्रमुक का गठबंधन है, जबकि दूसरी ओर द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। हालांकि, इस बार चुनाव पूरी तरह से सीधा नहीं माना जा रहा, क्योंकि अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) भी मैदान में उतरकर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर रही है। द्रमुक की स्थिति फिलहाल मजबूत राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, कड़े मुकाबले के बावजूद द्रमुक की स्थिति फिलहाल कुछ बेहतर दिखाई दे रही है। इसका एक कारण विपक्षी खेमे में एकजुटता की कमी भी है। भाजपा ने कोशिश की थी कि अन्नाद्रमुक के सभी गुटों को एक साथ लाकर मजबूत चुनौती पेश की जाए, लेकिन यह प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। अन्नाद्रमुक के नेता ई. पलानीस्वामी अपने रुख पर अड़े रहे, जिसके कारण पार्टी के अलग-अलग गुटों को पूरी तरह एकजुट नहीं किया जा सका। वहीं, अन्नाद्रमुक के एक अन्य धड़े के नेता ओ. पनीरसेल्वम द्रमुक के साथ

जुड़ गए हैं। इसके अलावा शशिकला भी अलग से चुनाव लड़ रही हैं। इन परिस्थितियों में विपक्षी वोटों के बंटने की संभावना बढ़ गई है, जिससे द्रमुक को फायदा मिल सकता है। भाजपा की दोहरी रणनीति भाजपा इस चुनाव में दो स्तर पर रणनीति बनाकर चल रही है एक चुनाव से पहले की और दूसरी चुनाव के बाद की। पार्टी राज्य की द्रमुक सरकार पर भ्रष्टाचार और वैचारिक मुद्दों को लेकर लगातार हमला कर

तमिलनाडु की राजनीति इन दिनों काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। आगामी चुनाव में मुख्य रूप से दो बड़े गठबंधनों के बीच मुकाबला दिखाई दे

रही है। भाजपा के प्रदेश स्तर के नेता सरकार की नीतियों और कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, भाजपा ने द्रमुक के शीर्ष नेतृत्व पर सीधे व्यक्तिगत हमले करने से काफी हद तक परहेज किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह टकराव की स्थिति नहीं बनाना चाहती। इसके उलट भाजपा कांग्रेस पर काफी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। पार्टी कांग्रेस नेतृत्व पर लगातार तीखे और कई बार व्यक्तिगत हमले भी कर रही है। राज्यपाल के तबादले को भी रणनीति से जोड़ा जा रहा चुनाव से ठीक पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को वहां से हटाकर पश्चिम बंगाल भेजे जाने को भी राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल रवि और द्रमुक सरकार के बीच लंबे समय से टकराव की स्थिति बनी हुई थी। द्रमुक के नेताओं ने कई बार उन पर सार्वजनिक रूप से आलोचना भी की थी। रवि के स्थानांतरण के बाद द्रमुक खेमे में राहत की भावना देखी गई।

राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा और द्रमुक के बीच संभावित नए रिश्तों के लिए एक अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है। दशकों से द्रमुक-अन्नाद्रमुक के बीच सत्ता तमिलनाडु की राजनीति पिछले कई दशकों से मुख्य रूप से दो क्षेत्रीय दलों–द्रमुक और अन्नाद्रमुक–के बीच घूमती रही है। दोनों दल बारी-बारी से सत्ता में आते रहे हैं।

2 हिंदी दैनिक सब का सपना | विचार मंथन | अमरोहा सोमवार 09 मार्च 2026 | www.sabkasapna.com

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दशार्ती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व युद्ध की आहट और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट

कांतिलाल मांडोत

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां शक्ति प्रदर्शन और प्रतिशोध की राजनीति मानवता के भविष्य पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहा बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बन गया है। जिस तरह से एक के बाद एक मिसाइल हमले ड्रोन हमले और बमबारी हो रही है उससे यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं यह संघर्ष व्यापक युद्ध का रूप न ले ले। युद्ध का इतिहास हमेशा यही बताता है कि इसकी आग में केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी झुलसते हैं और सभ्यता को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

हाल के दिनों में समुद्र और आसमान दोनों ही युद्ध के मैदान बन गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। युद्धपोतों पर हमले तेल टैंकरों को निशाना बनाना और बड़े शहरों पर बमबारी यह संकेत देते हैं कि स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इन संघर्षों में मरने वाले अधिकांश लोग वे होते हैं जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल आम नागरिक होते हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। जब बड़े देश युद्ध में उलझते हैं तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। व्यापार रुक जाता है तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक बाजार अस्थिर हो जाते हैं। वर्तमान संघर्ष में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व का क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा स्रोतों में से एक है। यदि यहां युद्ध लंबा चलता है तो तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। यदि युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ेंगी जिससे परिवहन महंगा होगा और इसका प्रभाव आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा मध्य पूर्व के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। ये लोग वहां से अपने परिवारों के लिए पैसा भेजते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर हो जाती है तो इन भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई बार ऐसे हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे।

युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल सड़कें और घर तबाह हो जाते हैं। इन सबको दोबारा बनाने में वर्षों लग जाते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने पूरी मानवता को विनाश का भयावह अनुभव कराया था। करोड़ों लोग मारे गए और कई देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। उसके बाद ही दुनिया ने शांति और सहयोग के महत्व को समझा और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया ताकि ऐसे संघर्षों को रोका जा सके। लेकिन आज भी जब बड़े देश शक्ति प्रदर्शन में लगे रहते हैं तो ऐसा लगता है कि इतिहास से सबक पूरी तरह नहीं लिया गया है।

दुनिया के कई देश इस समय शांति की अपील कर रहे हैं। भारत भी लगातार यह कहता रहा है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। यदि सभी देश संयम और धैर्य का परिचय दें तो टकराव को कम किया जा सकता है। कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से विवादों को सुलझाना ही सभ्य और जिम्मेदार समाज की पहचान है।

आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया के शक्तिशाली

देश अपनी जिम्मेदारी को समझें। शक्ति का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि शांति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। यदि युद्ध की आग और फैलती है तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की दिशा में कदम न बन जाए।

मानवता का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता अपनाएं। युद्ध केवल विनाश को जन्म देता है जबकि शांति विकास और समृद्धि का मार्ग खोलती है। इसलिए समय की मांग है कि सभी देश संयम बरतें और युद्ध के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाएं। यही मानवता के हित में होगा और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर दुनिया की नींव रखेगा।

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक? कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 'किसान का बेटा' या 'गाँव से आया लड़का या लड़की' जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है।

भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 'किसान पुत्र', 'गाँव का बेटा' या 'ग्रामीण पृष्ठभूमि' के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 'गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक' या 'किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया' जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं।

नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरूआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या

केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरूआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोज? अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरूआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

sab ka sapna 09 March 2026:Layout 1 08-03-2026 21:23 Page 3

डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति की बैठक संपन्न, धूमधाम से जयंती मनाने का लिया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- आधुनिक भारत के निमार्ता और भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की आगामी जयंती को लेकर तैयारियां अभी से तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, हसनपुर की एक अति महत्वपूर्ण बैठक हसनपुर गैस एजेंसी के प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के पदाधिकारियों और प्रबुद्ध समाजसेवियों ने शिरकत की और बाबा साहब के जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार की। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेसी नेता जयपाल सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ, हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह द्वारा किया गया। बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष दिनेश गौतम ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस

वर्ष बाबा साहब की जयंती पूर्व के वर्षों की तुलना में अधिक भव्य और ऐतिहासिक होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकलने वाली शोभायात्रा और मंच कार्यक्रम में "सर्वसमाज" को साथ लेकर चला जाएगा। दिनेश गौतम ने विश्वास दिलाया कि जयंती का आयोजन आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बनेगा। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष लता सागर ने बैठक में महिलाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जयंती समारोह में महिलाओं की भागीदारी अब तक की सबसे अधिक रहने वाली है। उन्होंने घोषणा की कि सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली और समाज को नई दिशा देने वाली महिलाओं को मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष दिनेश गौतम ने भी दोहराया कि इस बार युवाओं और महिलाओं को पहले से बेहतर सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। जयंती के संयोजक विनोद कुमार गौतम ने आगामी योजना साझा करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ जोड़ना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान समाज की उन प्रतिभावान शख्सियतों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत से समाज का नाम रोशन किया है। बैठक में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने एक स्वर में जयंती को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कोर कमेटी के अध्यक्ष जयपाल सिंह, अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह, श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महीपाल सिंह, पूर्व प्रबंधक रामनारायण और जयंती के महामंत्री जगवीर सिंह मौर्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा उपाध्यक्ष कविता रानी, अतर सिंह नेताजी, मुरारीलाल मौर्य, मास्टर सोम सिंह, समाजसेवी नवाब सैफी, अम्बेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय गौतम, मलखान सिंह, जसवंत सिंह, पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, लवी सागर, मुकेश कुमार जाटव, दिनेश कुमार,शिवम जाटव, जंग बहादुर और सुरेश सिंह सहित भारी संख्या में समिति के सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एनएमएमएस में सफलता पर दाऊद सराय के चार छात्रों का भव्य सम्मान, जिले में 198 विद्यार्थी चयनित

अमरोहा (सब का सपना):- उच्च प्राथमिक विद्यालय दाऊद सराय में शुक्रवार को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा (एनएमएमएस) के सफल विद्यार्थियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कक्षा 8 के चार मेधावी छात्रों को फूलमाला पहनाकर और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति में बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। एनएमएमएस में चयनित होने वाले विद्यार्थियों को अगले चार वर्षों तक जानकी कक्षा 12 तक हर माह ₹1,000 की छात्रवृत्ति दी जाएगी जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर मेधावियों की शिक्षा में सहयोग देना है। इस वर्ष अमरोहा जनपद से कुल 198 विद्यार्थियों ने यह

परीक्षा उत्तीर्ण की है। 198 विद्यार्थियों में से दाऊद सराय विद्यालय के चार छात्रों की सफलता ने न सिर्फ स्कूल, बल्कि आस-पास के क्षेत्र को भी गौरवान्वित किया है।

कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मिशन शक्ति टीम की उपस्थिति ने बालिकाओं को विशेष प्रोत्साहन दिया। सम्मान समारोह के साथ-साथ शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना और आत्मविश्वास जगाने का काम करते हैं।

ओंकार सिंह इंटर कॉलिज में छात्रों ने विज्ञान मॉडल्स से दिखाई प्रतिभा

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कूरी स्थित ओंकार सिंह इंटर कॉलिज में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि तहसीलदार लंकी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने का कार्य करते हैं। विद्यालय प्रबंधक और शिक्षकों की मौजूदगी में प्रदर्शनी में रोड स्पीड ब्रेकर, वाटर प्यूरीफायर, सोलर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेटर, न्यूरॉन सिस्टम, हार्ट वर्किंग मॉडल और एयर प्यूरिफि केशन से जुड़े प्रोजेक्ट्स दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने। मनु चौहान, कशिश, अक्षित, सलोनी, अवनीश, माधव, रुचि, दीपांशु और अंश समेत विद्यार्थियों ने मॉडल्स की कार्यप्रणाली समझाई। आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य विज्ञान के प्रति रुचि जगाना और महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण का संदेश देना था। शिक्षकों का कहना है कि छात्रों में प्रयोग-आधारित सीख और आत्मविश्वास बढ़ा है। अभिभावकों और अतिथियों ने भी विद्यार्थियों के नवाचार को प्रोत्साहित किया।

बछरायूं के जंगलों में गौवंशीय अवशेष मिलने पर विहिप ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं क्षेत्र के जंगलों में गौवंशीय अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस घटना से क्षेत्र के लोगों एवं विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकताओं में आक्रोश फैल गया ,इस पर संगठन के नाराज कार्यकताओं ने धनौरा शेरपुर मार्ग पर जाम लाकर जमकर प्रदर्शन किया ,जिससे यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। उधर मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बमुश्किल संगठन के लोगों को समझा बूझाकर शांत कराया और जांच कर कड़ी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह कुछ ग्रामीण जंगल की ओर गए थे, जहां उन्हें

गोवंश के अवशेष पड़े मिले। यह खबर तेजी से पूरे इलाके में फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।घटना की सूचना पर विहिप के जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, हेमंत सारस्वत, योगेश देवल और अखिलेश भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र में गोवंश तस्कर सक्रिय हैं और पुलिस की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं।आक्रोशित कार्यकताओं ने धनौरा-शेरपुर मार्ग पर धरना देकर सड़क जाम कर दिया। इसके परिणामस्वरूप सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।मामले की जानकारी मिलते ही बछरायूं और मंडी धनौरा थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची।

पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने भी घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया।पुलिस अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनकी जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम हटा दिया। पुलिस ने गोवंश के अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हाईवे पर डीसीएम को खींचते हुए पलटा ट्रैक्टर, चालक घायल

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया हाईवे पर रविवार की सुबह एक ट्रैक्टर द्वारा एक डीसीएम को खींचते समय ट्रैक्टर पलट गया इस हादसे में ट्रैक्टर चालक बुरी तरह से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर डीसीएम को खींच कर ले जा रहा था। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोया में एक डीसीएम कैंटर की सीएनजी खत्म हो गई थी, जिसके कारण वह आगे नहीं

बढ़ पा रहा था। फारुख पुत्र हनीफ, निवासी इकबाल नगर, जोया, थाना डिडौली, अपने ट्रैक्टर से उस डीसीएम को खींचकर क्षेत्र के गांव निलखेड़ी स्थित सीएनजी पंप पर ले जा रहा था।जैसे ही वह पंप के नजदीक पहुंचा, ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और उसे डीसीएम से जोड़ने वाली जंजीर टूट गई।

इसके बाद ट्रैक्टर अचानक पलट गया, जिससे चालक फारुख को चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाईवे से पलटे हुए ट्रैक्टर को सीधा कराकर सड़क किनारे खड़ा किया। घायल फारुख को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गजरौला में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

विधायक राजीव तरारा ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का फूल मालाओं से किया स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रंगों के त्यौहार होली के अवसर पर मंडी धनौरा विधायक राजीव तरारा द्वारा गजरौला स्थित एक होटल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में पहुंचकर शिरकत की जिनका,विधायक राजीव तरारा ने फूल मालाओं से स्वागत किया। उधर कार्यक्रम में पहुंचे वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विधायक राजीव तरारा के कार्यों की सराहना की और पार्टी की नीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।इस दौरान वक्ताओं ने आगामी 2027 के चुनावों में राजीव तरारा को पुनः विधायक बनाने की अपील भी की, यह कहते हुए कि क्षेत्र में किसी अन्य विधायक ने अब तक इतने विकास कार्य नहीं कराए हैं। वहीं विधायक राजीव तरारा ने अपने संबोधन में विधानसभा के गांव चकनवाला से शीशे वाली जाने वाले रास्ते का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि देश की आजादी के बाद से इस पुल का निर्माण किसी ने नहीं कराया था,

जिसे उनके कार्यकाल में पूरा कर लोगों को सुविधा प्रदान की गई है। विधायक ने अपने विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी से भारतीय जनता पार्टी से अधिक से अधिक जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं भी दीं।

संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनी शिकायतें, निस्तारण में तेजी लाने के दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा तहसील सभागार में शनिवार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप यादव की अध्यक्षता में 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। एडीएम न्यायिक ने अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को बार-बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें। बता दें कि समाधान दिवस में कुल 24 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से केवल 03 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण

किया जा सका। शेष 21 शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को हस्तांतरित कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे, जिनकी संख्या 18 थी। इनमें से 02 का मौके पर निस्तारण हुआ। पुलिस विभाग से 06 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 01 का समाधान किया गया। आपूर्ति विभाग और नगर पालिका से संबंधित कोई नया मामला सामने नहीं आया।एडीएम धीरेंद्र प्रताप यादव ने विशेष रूप से भूमि विवाद और अवैध कब्जों से जुड़े मामलों पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। एडीएम ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर एसडीएम विभा श्रीवास्तव, तहसीलदार मूसा राम थारु, नायब तहसीलदार योगेश कुमार व राजपाल सिंह उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त कानूनगो मनोज गौतम, योगेन्द्र सिंह, नरेंद्र सिंह, संजय गुप्ता, जबर सिंह, राजेश कुमार, लेखपाल मोहित चौधरी, ईओ अभदेश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी और पुलिस बल भी मौजूद था।

अमरोहा में दो दुकानों में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गुजरी में दो दुकानों में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। इस घटना से दोनों दुकानों में रखा लाखों का माल जलकर राख हो गया जिससे दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है।आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया, हालांकि प्राथमिक जांच के अनुसार आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। बता दें कि आग लगने की यह पूरी घटना शनिवार व रविवार की रात की है जहां नगर के मोहल्ला गुजरी में अचानक एक चाय की दुकान से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया

और पास की दूसरी दुकान तक फैल गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने तुरंत अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक दोनों दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान पूरी तरह जल चुका था।आग लगने के कारण आसपास के इलाके में कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। इस घटना से दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। फिलहाल आग लगने का सही कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

6 घंटे में अपहरण बालक को पुलिस की तत्परता ने परिजनों से मिलाया

अपहरण कताओं ने मांगी थी 12 लाख की फिरौती, पुलिस की त्वरित कार्यवाही से 6 घंटे में अपहरण कताओं को गिरफ्तार कर पुलिस अधीक्षक ने किया खुलासा

नौगांवा सादात/अमरोहाः- जनपद के थाना क्षेत्र नौगांवा सादात में घर के बाहर खेलता 5 वर्षीय विवान अचानक गायब हो गया। जिससे परिजन परेशान हो गए। बच्चे के गायब होने के कुछ देर बाद परिजनों के पास फिरौती का फोन आया। जिसमें बच्चों के अपहरण कताओं के द्वारा 12 लाख रुपये की मांग की मांग की गई। 5 वर्षीय बच्चे विवान के अपहरण की खबर फैलते ही गांव में दहशत और परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा अपहरण की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके तुरंत बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी अमित कुमार आनंद के निर्देशन में तीन थानों की टीमें सक्रिय हुई। सीओ अभिषेक

यादव और सीओ अवधभान भदौरिया की अगुवाई में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के महज 6 घंटे बाद ही बच्चे को बिजनौर के नूरपुर बस स्टैंड से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। वही तीन अभियुक्त लविश, आकाश और धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभिक्तों से जब पूछताछ की गई तो पता चला कि लविश, जो रिश्ते में विवान का भाई लगता है, पिता की दुर्घटना मृत्यु के बाद मिली बीमा राशि की लालच में इस वारदात का मास्टरमाइंड था। उसने आकाश और धर्मेंद्र के साथ मिलकर बच्चे को बाइक से नूरपुर पहुंचाया और बस स्टैंड पर छोड़कर फरार हो गया था। थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया कि चार अलग-अलग पुलिस टीमों की लगातार दबिश ने अपहरणकताओं को भागने का मौका नहीं दिया। सकुशल बरामदगी के बाद विवान को उसके दादा हरपाल सिंह को सौंप दिया गया। गांव में भले ही दहशत का माहौल बना, लेकिन बच्चे की सकुशल वापसी व पुलिस की सक्रियता ने परिजनों की आंखों में खुशी लौटा दी इस दौरान बच्चों के परिजन पुलिस की कार्यशैली को लेकर काफी खुश दिखाई दिए।

sab ka sapna 09 March 2026:Layout 1 08-03-2026 21:23 Page 4

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मेधावी बालिकाओं एवं उत्कृष्ट महिला कार्मिकों को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ में प्रातः 10:30 बजे एक राज्य स्तरीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट महिला कार्मिकों और मेधावी बालिकाओं को सम्मानित किया गया, जिसका सजीव / लाइव प्रसारण जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष, अमरोहा में आयोजित किया गया। जनपद स्तर पर भी विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खण्डवंशी जी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर द्वारा जनपद स्तर पर सामाजिक कुरीतियों यथा बाल विवाह, दहेज प्रथा की रोकथाम एवं शिक्षा, खेलकूद, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य का लाभ प्राप्त करने वाली मेधावी बालिका, महिला कल्याण विभाग में जनपद स्तर पर स्थापित विभिन्न इकाईयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कार्मिक, एन०आर०एम० एवं सेवायोजन विभाग व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कुल 36 महिला कार्मिक/बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं/बालिकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनॉयें भी दी। विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़ागवंशी ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही एक विकसित समाज की वास्तविक पहचान है। कहा कि आज महिलाओं को सुरक्षा के साथ सम्मान मिल रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपने संबोधन में कहा कि आज 8 मार्च का दिन हम उन सभी महिलाओं के सम्मान के रुप में मनाते हैं, जिन्होंने अपने साहस और मेहनत से दुनिया को बेहतर बनाया है। एक महिला मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में हमारे जीवन का आधार होती है। महिलाओं ने हर क्षेत्र में अद्भुत काम किया है, और यह दिन हमें उनका समर्थन करने और उनका सम्मान करने की याद दिलाता है। महिलाओं की खुशी और सफलता परिवारों और समाज को मजबूत बनाती है। यह दिन महिलाओं के अधिकारों, समाज में उनके योगदान और लैंगिक समानता की आवश्यकता को उजागर करता है तथा महिला को शक्ति का रूप कहा जाता है। उसमें सृजन, पोषण, सहनशीलता और अदम्य साहस की सर्वोच्च क्षमता होती है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज यह बदलाव किसी गाँव की उस पंचायत में दिखता है जहाँ एक महिला पहली बार अपनी आवाज उठाती है, यह उस छोटे उद्यम में नजर आता है जो एक रसोई से शुरू होकर बाजार तक पहुँच जाता है कि उसका आने वाला कल, उसके बीते हुए कल जैसा नहीं होगा। व्यक्तिगत रूप से देखें तो ये पल शायद बहुत मामूली लगें, लेकिन साथ मिलकर ये भारत के विकास की कहानी में एक ऐतिहासिक बदलाव लिख रहे हैं। महिलाओं के इस बदलाव को सहारा देने के लिए आज देश में अवसरों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार हो रहा है। आसान लोन, स्वयं सहायता समूह, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा के नए रास्ते और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सब मिलकर एक ऐसा माहौल बना रहे हैं जहाँ अधिक से अधिक महिलाएं न केवल हिस्सा ले रही हैं, बल्कि वे भारत के विकास की दिशा तय कर रही हैं और उसका नेतृत्व भी कर रही हैं। ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर ने कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही। सरकार द्वारा उनको आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम में , मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ आभा दत्त, जिला कार्यकम अधिकारी ज्ञान प्रकाश तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा, , जिला सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

बच्चों ने दिखाई ईमानदारी, सड़क किनारे मिला महंगा मोबाइल पुलिस को सौंपा

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर थाना क्षेत्र में कुछ बच्चों ने ईमानदारी का परिचय देते हुए सड़क किनारे मिला महंगा मोबाइल फोन पुलिस को सौंप दिया। बच्चों के इस सराहनीय कार्य की थाना पुलिस ने भी प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार रविवार को मोहल्ला हयातनगर निवासी अब्दुल गनी (10) पुत्र मोहम्मद सालिम, मोहम्मद रजा (10) पुत्र मोहम्मद गालिब, मोहम्मद असद (11) पुत्र मोहम्मद जुबैर, मोहम्मद अदनान (12) पुत्र ताहिर हुसैन, मोहम्मद शान (12) पुत्र मोहम्मद नाजिम तथा हर्ष कुमार (13) पुत्र बिजेंद्र कुमार खेलने जा रहे थे। इसी दौरान सम्भल-बहजोई मार्ग पर सड़क किनारे उन्हें एक महंगा मोबाइल फोन एप्पल आईफोन 17 प्रो मैक्स (कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये) पड़ा मिला। बच्चों ने ईमानदारी दिखाते हुए मोबाइल अपने पास रखने के बजाय थाना हयातनगर पहुंचकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मोबाइल के संबंध में जानकारी जुटाकर उसके स्वामी नाजिम अली पुत्र इमामी निवासी ग्राम घुंघावली, थाना हयातनगर को थाने बुलाया और आवश्यक सत्यापन के बाद मोबाइल उनके सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश सिंह सोलंकी ने बच्चों द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उनकी ईमानदारी को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

महिला दिवस पर जनकल्याण सेवा समिति की सभा आयोजित

आशा गोस्वामी और सीमा अग्रवाल को पटका व स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी में जनकल्याण सेवा समिति की एक सभा रविवार को साईं धाम कॉलोनी स्थित समिति की सदस्य रिनी अग्रवाल के आवास पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान आशा गोस्वामी एवं सीमा अग्रवाल को समिति की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय और अन्य सदस्यों द्वारा पटका पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने दोनों महिलाओं के सामाजिक कार्यों, कार्यक्षेत्र में योगदान और परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। बैठक में समिति के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने समिति की अन्य सभी महिलाओं को भी उपहार देकर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद आशा गोस्वामी ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला शक्ति सृजन, संवर्धन और उन्नत समाज की आधारशिला है। नारी ही वह शक्ति है जो संस्कृति को संजोती है, सभ्यता को आगे बढ़ाती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस दौरान कल्पना वार्ष्णेय, सीमा फैंसी, पूर्णिमा वार्ष्णेय, रिनी अग्रवाल, आभा रानी, पूनम वार्ष्णेय, सारिका, रचना, कांता अदलखा, सीमा अग्रवाल, आशा गोस्वामी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

करोड़ों की कीमत की पशुचर भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

नायब तहसीलदार बबलू कुमार के नेतृत्व में राजस्व टीम एवं पुलिस बल द्वारा कराया गया कब्जा मुक्त

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देश कि जनपद में सरकारी भूमि अवैध कब्जा मुक्त हो को ध्यान में रखते हुए सम्भल राजस्व प्रशासन द्वारा शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई नायब तहसीलदार बबलू कुमार एवं उनकी टीम जिसमें राजस्व निरीक्षक योगेन्द्र एवं चन्द्रपाल तथा लेखपाल मनोज एवं मयूरी शामिल रहे द्वारा की गयी। नायब तहसीलदार बबलू कुमार की टीम द्वारा सम्भल तहसील के अन्तर्गत राजस्व ग्राम मन्नीखेडा में पशुचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। ग्राम मन्नीखेडा स्थित गाटा संख्या 1266/ 1.587 हेक्टेयर पशुचर भूमि जिसपर विजय पुत्र गंगा राम द्वारा सरसों एवं गेहूँ की फसल उपजा रखी थी तथा धीरज तथा नीरज एवं रनवीर पुत्र नौबत द्वारा गेहूँ की फसल को अवैध रूप से उपजा रखा था।

तथा गाटा संख्या 1339 /0.324 हेक्टेयर पशुचर भूमि पर धीरज, नीरज तथा रनवीर पुत्र नौबत द्वारा ईंख अवैध रूप से कब्जा कर बो रखी थी तथा गाटा संख्या 1267/ 0.660 हेक्टेयर भूमि पर सुरेश, जयसिंह पुत्र नन्हे एवं राकेश पुत्र लीलाधर ने कब्जा करते हुए गेहूँ एवं मक्का बो रखा था को नायब तहसीलदार बबलू कुमार के नेतृत्व में राजस्व टीम द्वारा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच कर पशुचर भूमि का चिन्हांकन करने के उपरांत 80 बीघा पशुचर भूमि में से 39 बीघा भूमि जोकि लगभग ड्ड 2 करोड़ की कीमत की भूमि है को कब्जा मुक्त कराया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंत्री माध्यमिक शिक्षा की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ संपन्न

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में गुलाब देवी, मंत्री माध्यमिक शिक्षा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सभागार में सजीव प्रसारण भी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा महिलाओं द्वारा देखा गया। मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ महिलाओं तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉड्ड अनामिका यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत ने कहा कि आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में कार्यरत हैं जहां पर वह अपनी प्रतिभा का परिचय करा रही है साथ ही कहां की आज नारी आधुनिक परिवेश में अपने सपनों को दे रही उड़ान है हर क्षेत्र में चाहे वह कुश्ती का अखाड़ा हो या खेल का मैदान, दफ्तर हो या अस्पताल या राजनीति हो या पारिवारिक जीवन हो अपने सोच और समझदारी से कायम की अपनी पहचान है और आदमी के कंधे से कंधा मिलाकर नारी शक्ति को दिए नए आयाम है। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में बताते हुए या कहा कि विभाग के द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने हेतु चलाई जा रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं अच्छा कार्य कर रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मान पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, राजेश शंकर राजू अध्यक्ष नगर पंचायत बहजोई, प्रोबेशन विभाग व विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी , आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस द्वारा छात्रों को नियमों के प्रति किया गया जागरूक

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात और प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान के मार्गदर्शन में रविवार को बदायूं चुंगी चंदौसी स्थित यातायात पुलिस बूथ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल सचिन कुमार, हेड कांस्टेबल सतीश और कांस्टेबल गुलाब ने छात्रों को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। साथ ही छात्रों से यातायात संबंधी स्लोगन भी बनवाए गए। छात्रों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें, तीन सवारी न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय नशे का सेवन न करें और नींद की स्थिति में वाहन न चलाएं। इसके अलावा सड़क पर बाईं ओर चलने, मोड़ पर ओवरटेक न करने और पैदल चलने वालों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान छात्रों को उत्तर प्रदेश सरकार की राहवीर योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल हो जाता है और कोई नेक व्यक्ति उसे गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उस व्यक्ति को सरकार की ओर से 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। यातायात पुलिस ने छात्रों से अपील की कि दुर्घटना में घायल किसी भी व्यक्ति की मदद करने से घबराना नहीं चाहिए। साथ ही कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी जागरूकता से समाज में यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा मिलेगा तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

243वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन, मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ ने दी सेवाएं, आयुष्मान गोल्डन कार्ड भी बनाए गए

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 243वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आरोग्य मेले के दौरान 35 चिकित्सकों और 145 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2725 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1198 पुरुष, 1052 महिलाएं और 475 बच्चे शामिल रहे। इसके साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत 163 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। मेले में विभिन्न बीमारियों के मरीजों का परीक्षण किया गया, जिनमें बुखार के 306, चर्म रोग के 504, दमा के 445, मधुमेह के 104, नेत्र रोग के 18, उच्च रक्तचाप के 99 तथा अन्य रोगों के मरीज शामिल रहे। बुखार के मरीजों में से 30 की मलेरिया और 11 की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन से संबंधित परामर्श और सामग्री वितरण के लिए अलग से काउंटर बनाए गए। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में आशा कार्यकताओं ने सोर्स रिडक्शन और संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया। साथ ही एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 201 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। इसके अतिरिक्त आरोग्य मेला सत्रों में आए 37 मरीजों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक और अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सपा की मासिक बैठक व होली मिलन समारोह सम्पन्न

राज्यसभा सांसद जावेद अली खान बोले भाईचारा मजबूत कर 2027 में पार्टी को सत्ता में लाना लक्ष्य

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह भरतरा चुंगी परिसर स्थित जिला कैंप कार्यालय (उमेश चंद्र दिवाकर, बहजोईड्ड चंदौसी रोड) पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि एसआईआर एवं नए वोट बनाने के अभियान में पार्टी के बीएलए और पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण सहयोग किया है, जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता नए मतदाताओं को जोड़ने का काम लगातार करते रहें। बैठक में विधानसभा अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं भी रखीं, जिनका अधिकारियों से मिलकर जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया गया। होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों और जनता को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सभी धर्मों का सम्मान करता है और देश में सदियों से हिंदू-मुस्लिम मिलकर एक-दूसरे के त्योहार मनाते आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार धर्म के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रही है और लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए 2027 में समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जानकारी दें और प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएं। कार्यक्रम के संयोजक उमेश चंद्र दिवाकर ने कहा कि वह अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि सपा के नेताओं और कार्यकताओं का स्नेह देखकर उन्हें ऐसा लगा मानो वह अपने ही घर लौट आए हों। उन्होंने विश्वास दिलाया कि चंदौसी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत से काम करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता एवं चंदौसी विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी सतीश पेमी प्रेमी ने कहा कि होली मिलन समारोह और मासिक बैठक में उमड़ी भीड़ यह साबित करती है कि समाजवादी पार्टी आज भी भाईचारे की राजनीति को मजबूत कर रही है और पीडीए परिवार को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य उमेश यादव, जिला पंचायत सदस्य सकुन प्रेमी, वरिष्ठ नेता लड्डन मियां, बलवंत सिंह, शोभित कुमार, कमल शर्मा, सद्दाम कुरैशी, ओमप्रकाश प्रजापति, कामरेड रेवाराम, राजीव रस्तोगी, मनीष यादव, शिवम यादव, रवि दिवाकर, विजय यादव, अशोक गुप्ता, शाहनवाज अन्ना, सभासद मेहंदी हसन, अशोक राणा, एडवोकेट अमर सिंह यादव, एडवोकेट रत्नेश भारती, कपिल देव, मलखान सिंह, एडवोकेट सुनीता यादव, दुर्गेश दिवाकर, शारदा यादव, गोपीराम, अजय कुमार, बंटी राणा, दीपक राज दिवाकर, राम रईस यादव, रघुनाथ दिवाकर, अनुराग यादव, लव कुमार यादव, प्रतीक नानू, आसिफ, महावीर सिंह यादव, महेश कुमार मौर्य, अनिकेत कुमार, डॉ. हंसराज यादव, केके राजोरिया, उमर सभासद, सत्यभान सिंह यादव, अमरीश यादव, सत्येंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, अभय प्रताप, सचिन यादव, सुभाष पाल, सुनील खड़कवंशी, रामेश्वर दिवाकर, छोटेलाल यादव, जयपाल सिंह यादव, योगेश ठाकुर, मुनीम जी खड़कवंशी, भरतरा साजिद, गुड्डू एडवोकेट, पप्पू शर्मा, लायक सिंह, नेताजी मुकेश यादव, बब्बन मौर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरोहा
सोमवार 09 मार्च 2026
www.sabkasapna.com
बिजनौर/ उत्तर प्रदेश
हिंदी दैनिक
सब का सपना 5

रोजा इफ्तार में पहुंचे सांसद चंद्रशेखर आजाद, 2027 को लेकर किया बड़ा ऐलान

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद शनिवार को नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव मँझोला बिल्लोच स्थित जेके फार्म हाउस पहुंचे। यहां आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के पश्चिमी उत्तर प्रदेश जोन प्रभारी गोहर इकबाल द्वारा आयोजित रोजा इफ्तार कार्यक्रम में उन्होंने शिरकत की। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए। सांसद चंद्रशेखर आजाद के पहुंचने पर कार्यकताओं और समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी, संभावित प्रत्याशी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि गोहर इकबाल पार्टी के भरोसेमंद और मजबूत नेता हैं। पार्टी ने उन्हें पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन को मजबूत करने की अहम जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बताया कि करीब 110 सीटों पर संगठन को मजबूत करने, प्रत्याशियों के चयन और कार्यकताओं को तैयार करने का दायित्व गोहर इकबाल को सौंपा गया है। सांसद ने कहा कि नगीना लोकसभा सीट पर दलित, मुसलमान, किसान और कमजोर वर्गों के भाईचारे की ताकत से ही शानदार चुनावी परिणाम मिला और भाजपा को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यही भाईचारा अब पूरे प्रदेश में मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 13 जातियों को जोड़कर भाईचारा संगठन बनाया गया है, जिसमें गुर्जर, जाट, सिख, पाल, प्रजापति, कश्यप, सैनी, लोधी, विश्वकर्मा समेत कई समाज शामिल हैं। चंद्रशेखर आजाद ने बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में आजाद समाज पार्टी के बिना किसी भी दल की सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को इतना मजबूत करेगी कि कम से कम एक लाख से अधिक वोट पार्टी को मिलें। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि डॉक्टर के केबिन में घुसकर गोली मार दी जाती है और बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना अदालत के आदेश के बुलडोजर चलाकर लोगों के घर तोड़े जा रहे हैं और बाद में अदालत उन्हें निर्दोष बता देती है। बेरोजगारी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार से मांग करते-करते लोग थक चुके हैं और वर्तमान सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है। उन्होंने वादा किया कि यदि जनता मौका देती है तो युवाओं को रोजगार दिया जाएगा और कोई भी नौजवान फाइल लेकर दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और युवाओं को रोजगार देना होगा। महिलाओं को घर पर रोजगार उपलब्ध कराने, टोल सिस्टम खत्म करने, पुलिस की ड्यूटी आठ घंटे करने और पीआरडी जवानों, होमगार्ड, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, पंचायत सहायकों, ग्राम प्रधानों तथा कोटेदारों के मानदेय में बढ़ोतरी की दिशा में भी काम किया जाएगा। सांसद ने बताया कि पार्टी लगातार बड़ी रैलियां कर रही है। उन्होंने कहा कि 15 मार्च को बाराबंकी में पार्टी स्थापना दिवस पर ऐतिहासिक रैली आयोजित होगी, जबकि 29 मार्च को लखीमपुर खीरी में भी बड़ी सभा की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने लोगों से संविधान पर भरोसा रखने और भाईचारा बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां भी अन्याय होगा, वहां आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ता मजबूती से खड़े होकर संघर्ष करेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह पर विद्या टेलीलिंक ने निकाली सुरक्षा जागरूकता रैली

बिजनौर (सब का सपना):- 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत विद्या टेलीलिंक लिमिटेड धामपुर की ओर से सुरक्षा जागरूकता को लेकर नगर क्षेत्र में रैली निकाली गई। इस दौरान परियोजना से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमिकों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक रहने और कार्यस्थल पर सावधानी बरतने का संदेश दिया।रैली का उद्देश्य वर्कर्स को उन्नत सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना और उन्हें कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना रहा। रैली में शामिल कर्मचारियों ने सुरक्षा से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को बताया कि कार्यस्थल पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए सभी को सुरक्षा नियमों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास, प्रोजेक्ट इंजीनियर प्रशान्त कुमार और विवेक कुमार ने वर्कर्स को सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्य करते समय सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करना और निर्धारित मानकों का पालन करना बेहद जरूरी है। इस मौके पर नियमों का पालन करने वाले वर्कर्स को चॉकलेट देकर प्रोत्साहित भी किया गया, ताकि अन्य कर्मचारी भी सुरक्षा के प्रति अधिक सजग रहें। अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों की अनदेखी से होने वाले संभावित दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला और सभी से अपील की कि वे सुरक्षा को केवल औपचारिकता न मानें, बल्कि इसे अपने जीवन से जोड़कर देखें। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

नाबार्ड से संबद्ध संस्था ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

बिजनौर (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नूरपुर स्थित आर.आर. पब्लिक स्कूल में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से संबद्ध संस्था शिवशक्ति ग्रामोद्योग विकास संस्थान के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर एलडीएम अखिल सिंह, डीडीएम भूपेश पुनेरा, रंजीत चौधरी, मनुजेंद्र गुप्ता, दीपा गुप्ता, प्राची गुप्ता, टीकम सिंह, प्रमोद कुमार शर्मा, मोहम्मद साइम राजा, मनीषा राजपूत तथा गौरव कुमार चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर एलडीएम अखिल सिंह ने बैंकिंग क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं बैंकिंग योजनाओं का लाभ उठाकर छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू करें तो वे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में भी अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। वहीं डीडीएम भूपेश पुनेरा ने नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाबार्ड के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। गौरव कुमार चौहान ने महिला उत्थान और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को छोटे-छोटे रोजगारों और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। सम्मानित महिलाओं में दीपा गुप्ता, प्राची गुप्ता, कुसुम देवी, मीना कुमारी, गीता रानी, सुनीता पाल, रश्मि राजपूत, रोशन जहाँ, पूजा चन्द्रा, आयशा मलिक, मीनू, कल्पना शर्मा, डॉ. रजनी, नीलम चौहान, रजना चौहान, कुमारी पूजा चौहान, शांकी राजपूत, बबीता पाल, नैंसी चन्द्रा और मोनिका शामिल रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक विकास के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन स्वाति यादव द्वारा किया गया।

शेरकोट के युवक की मुंबई में चाकुओं से गोदकर हत्या

ओला टैक्सी की बुकिंग लेने के बाद हुआ था लापता, 90 किमी दूर खाई में मिला शव

शेरकोट/मुंबई (सब का सपना):- जनपद के शेरकोट कस्बे के मोहल्ला खुराड़ा निवासी 22 वर्षीय युवक मोहम्मद नासिर की मुंबई में चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि मोहम्मद नासिर करीब दो महीने पहले रोजगार की तलाश में मुंबई गया था, जहां वह Ola Cabs से जुड़कर टैक्सी चला रहा था। जानकारी के अनुसार एक बुकिंग मिलने के बाद वह सवारी लेने के लिए निकला था, लेकिन इसके बाद वह अचानक लापता हो गया। कुछ समय बाद उसकी कार खून से सनी हुई हालत में बरामद हुई, जिससे पुलिस को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तो करीब 90 किलोमीटर दूर एक खाई में युवक का शव बरामद हुआ। शव पर चाकुओं से किए गए कई वार के निशान पाए गए हैं, जिससे साफ है कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है।

पुलिस को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में कार से एक संदिग्ध व्यक्ति निकलता हुआ दिखाई दिया है। इसी आधार पर पुलिस हत्यारों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार जांच में जुटी हुई है। उधर बेटे की हत्या की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले और क्षेत्र के लोगों ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताया है।

घर के बाहर खड़ी वैन कार में अचानक लगी आग, वाहन जलकर खाक

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव बसंतगढ़ में घर के बाहर खड़ी एक वैन कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कार घर के बाहर खड़ी थी, तभी अज्ञात कारणों से उसमें आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं और वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी, लेकिन काफी देर तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने एकजुट होकर बाल्टियों और पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। घटना के दौरान आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि समय रहते आग पर ग्रामीणों ने काबू पा लिया गया।

एक मुट्ठी आसमान थीम पर एक विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सभागार ब्लॉक धनौरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में एक मुट्ठी आसमान थीम पर एक विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक मुट्ठी आसमान मूवी का प्रदर्शन किया गया तथा महिला अधिकार, लैंगिक समानता और साइबर जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, सुरक्षा से जुड़े कानूनों और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिषेक कुमार व्यास (सिविल जज सीनियर डिवीजन/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा) ने कहा कि लैंगिक समानता लोकतंत्र की मजबूत नींव है। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 21 का उल्लेख करते हुए बताया कि ये प्रावधान महिलाओं को समानता का अधिकार, भेदभाव से संरक्षण और समान अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और जागरूक नागरिकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। घरेलू हिंसा विषय पर जानकारी देते हुए महेश सिंह ने एक मुट्ठी आसमान फिल्म का प्रदर्शन कर बताया कि महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा और बिना सहमति यौन शोषण गंभीर अपराध हैं। उन्होंने इसकी रोकथाम में परिवार, समाज और शिक्षा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए किसी भी संदिग्ध स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन पर तुरंत सूचना देने की अपील की। साइबर जागरूकता सत्र में महेश सिंह ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फर्जी लिंक, ऑनलाइन ठगी और साइबर उत्पीड़न से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी भी साझा की। साथ ही मध्यस्थता (मेडिएशन) को सरल, सुलभ और किफायती न्याय प्रक्रिया बताते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं से महिलाओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आपसी समझौते के माध्यम से मामलों का त्वरित, सुलभ और निःशुल्क निस्तारण किया जाएगा। उपस्थित महिलाओं से अपील की गई कि वे अपने लंबित मामलों के समाधान के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर शशि देवी, लोकमान सिंह, राजवाला, डॉ. प्रथम सिंह, ऋतिक चौधरी, प्रीति एवं महेश सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर विषयों पर उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में चार परिवारों में हुआ समझौता

बहजोई/सम्भल। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में शनिवार को पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेशानुसार नियमित काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत संपन्न हुई। बैठक में केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान काउंसलर्स के सहयोग से कुल 35 पत्रावलियों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान 10 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि चार परिवारों में आपसी समझौता कराकर उन्हें दोबारा साथ रहने के लिए तैयार कराया गया।

वहीं दो मामलों को आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दिया गया तथा तीन पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई करने की संस्तुति की गई। बैठक में काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कांस्टेबल शहजाद मलिक, एलएचसी रश्मि गहलोत और एलसी ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस सुनी समस्याएं

सम्भल(सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में तहसील गुन्नौर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील गुन्नौर में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शिकायत का निस्तारण शीघ्र एवं निचले स्तर पर कर दिया जाए.इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक,उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार,तहसीलदार गुन्नौर रविन्द्र विक्रम सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का समापन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य मंत्री गुलाब देवी ने दिया महिलाओं के सम्मान और जागरूकता का संदेश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बहजोई स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में बाल विवाह मुक्त भारत के सौ दिवसीय अभियान का समापन किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री गुलाब देवी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। बताया गया कि बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भारत सरकार द्वारा पूरे देश में सौ दिवसीय अभियान चलाया गया था। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने 19 जनवरी को बहजोई स्थित कलेक्ट्रेट परिसर से ह्यबाल विवाह मुक्ति रथह्न को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह रथ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न द्वारा संचालित किया गया। रथ ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और इसे पूरी तरह रोकने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला प्रोबेशन अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव को मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने महिला शक्ति सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि घर, कार्यक्षेत्र और समाज में हर दिन महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए। कार्यक्रम में राज्य मंत्री गुलाब देवी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, चेयरमैन राजेश शंकर राजू, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण, संगीता भार्गव, नीलम रॉय, रंजना शर्मा, सिराज अहमद सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां मौजूद रहीं।

6 सब का सपना हिंदी दैनिक

दिल्ली/अमरोहा

अमरोहा
सोमवार 09 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

महिला दिवस की पूर्ण संध्या पर जिला न्यायालय परिसर में भव्य महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला न्यायालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला सशक्तिकरण विषय पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला जज विवेक के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात समाज सेविका निधि उपस्थित रहीं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, पैरा लीगल वॉलंटियर्स, न्यायालय कर्मचारी एवं महिलएं मौजूद रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में जिला जज विवेक ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज का समग्र विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज की महिलएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर नई ऊंचाईयों को प्राप्त कर रही है। न्यायपालिका भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हे न्याय दिलाने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं को समान अवसर और सम्मान मिलना अत्यन्त आवश्यक है, तभी एक सशक्त और संतुलित समाज की स्थापना हो सकती है। मुख्य अतिथि समाज सेविका निधि ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिला केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि पूरे समाज की प्रेरणा शक्ति है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दिया है और आज वे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और शिक्षा, आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को महिलाओं में जागरूकता और आत्मबल बढ़ाने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उददेश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर महिलाओं, गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता और न्याय की जानकारी पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पांच दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत गांव-गांव में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जायेगे, जिनमें महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, छ रेलू हिंसा से संरक्षण, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से सुरक्षा तथा विभिन्न सरकारी योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। उत्पीड़न से सुरक्षा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पैरा लीगल वॉलंटियर्स और विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करेगी, ताकि समाज के अन्तिम पंक्ति में खड़ी महिला तक भी न्याय और अधिकारों की जानकारी पहुँच सके। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों-शिक्षा, सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य, न्यायिक सहयोग और जनजागरूकता में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं ने इस पहल के लिए न्यायपालिका एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के सम्मान से समाज सेवा के लिए और अधिक प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण अत्यन्त प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण रहा तथा अन्त में सभी ने महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश विवेक, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण लोकेश राय, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाकिर हुसैन, विशेष न्यायाधीश शैल्जा राठी, हेमलता त्यागी, अरविन्द शुक्ला, नसीमा खानम, ईश्वर सिंह, संजय चौधरी, नाजमीन बानो, ज्योति चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ लकी, चेतना सिंह, अवधेश कुमार तृतीय, गीता गर्ग, मोनिका, सुप्रिया शर्मा, अर्पिता सिंह, रीतू लोहा, अभिषेक चौहान, अमनदीप, नसीम अहमद व रश्मि सिंह द्वितीय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कनिष्ठ लिपिक जयवीर सिंह, रितिक चाहल, सितिन चौहान, आशु देशवाल, हर्षित चौहान, अजब सिंह आदि उपस्थित रहे।

पूर्वी दिल्ली में दिनदहाड़े 45 लाख की लूट, कलेक्शन एजेंट के कर्मचारी को घेरकर 4 बदमाशों ने छीना बैग

पूर्वी दिल्ली। खजूरी खास इलाके में बदमाशों ने दिनदहाड़े कलेक्शन एजेंट कंपनी के एक कर्मचारी से 45 लाख रुपये लूट लिए। वारदात उस समय हुई जब कर्मचारी स्कूटी से रकम लेकर जा रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान अविनाश के रूप में हुई है। वह एक कलेक्शन एजेंट कंपनी में कर्मचारी है और विभिन्न स्थानों से एकत्र की गई नकदी लेकर जा रहा था। जब वह वजीराबाद रोड स्थित एक्सिस बैंक के पास पहुंचा, तभी चार बदमाशों ने उसे घेर लिया। सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है पुलिस आरोप है कि बदमाशों ने अविनाश से नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।पीड़ित की शिकायत पर खजूरी खास थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई है और मामले की जांच जारी है।

उत्तम नगर हत्याकांड: मुख्य आरोपी के घर पर बुलडोजर एक्शन, एमसीडी की कार्रवाई; दिल्ली पुलिस ने की आठवीं गिरफ्तारी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन हुए हत्याकांड के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। रविवार को नगर निगम और प्रशासन की टीम ने मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल उमरदीन के घर के अवैध हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई की। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर और हथौड़ों से अवैध निर्माण को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। प्रशासन का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इसके साथ ही पुलिस ने मामले में एक और गिरफ्तारी भी की है। इसके साथ ही अब तक आठ गिरफ्तारी हो चुकी हैं। होली के दिन हुआ था पड़ोसियों के बीच विवाद उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में 4 मार्च को होली के दौरान दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद हो गया था। बताया गया कि एक बच्ची द्वारा फेंका गया पानी से भरा गुब्बारा सड़क पर फट गया, जिससे पास से गुजर रही महिला के कपड़ों पर रंग पड़ गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और बाद में झगड़ा हिंसक हो गया। आरोप है कि इसी विवाद के बाद 26 वर्षीय तरुण कुमार पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल तरुण को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ये हैं मुख्य आरोपी पुलिस के अनुसार इस मामले में उमरदीन (49), जुम्मादीन (36), कमरुद्दीन (36), मुस्ताक (46), मुजफ्फर (25) और ताहिर (18) समेत नाबालिग और एक अन्य को रविवार को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई थी और लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया था। फिलहाल इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है और पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली के सोनिया विहार में सीवर लाइन की खोदाई के दौरान बड़ा हादसा, मिट्टी धंसने से दबे कामगार की मौत

पूर्वी दिल्ली। सोनिया विहार थाना क्षेत्र के तीसरा पुश्ता पर सीवर लाइन की खोदाई के दौरान मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अफजल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मेरठ की शौकत कॉलोनी का रहने वाला था। सोनिया विहार के तीसरे पुश्ता के पास सीवर पाइपलाइन डालने का काम चल रहा है। अफजल वहीं काम कर रहा था। वह गड्ढे में खड़े होकर पाइपलाइन फिट कर रहा था। इसी दौरान अचानक किनारे से एक बड़ा पत्थर खिसक गया, जिससे ऊपर रखा मिट्टी का ढेर भरभराकर उसके ऊपर गिर पड़ा। मिट्टी में दबने से अफजल गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

विदाई लेते हुए भावुक हुए वीके सक्सेना, बोले- दिल्ली से जा रहा हूं, दिल से नहीं

नई दिल्ली। लद्दाख के उपराज्यपाल घोषित होने के बाद दिल्ली के निवर्तमान एलजी वीके सक्सेना ने शनिवार शाम एक अनौपचारिक बातचीत में दिल्ली के प्रति अपने लगाव और अधूरे रह गए विकास कार्यों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मैं दिल्ली से जा रहा हूं, लेकिन लोगों के दिल से नहीं। सक्सेना ने कहा, दिल्ली सरकार को किसी भी तरह की सहायता या सुझाव की आवश्यकता होगी, तो मैं हमेशा एक फोन पर उपलब्ध रहूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के विकास के लिए उनका सहयोग लद्दाख में रहते हुए भी बना रहेगा। इन प्रोजेक्ट के अधूरे रहने का मलाल अपने कार्यकाल की समीक्षा करते हुए सक्सेना ने उन सपनों का जिक्र किया जो समय की कमी के कारण धरातल पर नहीं उतर सके। वह नरेला की टीकरी खुर्द झील को एक विश्वस्तरीय रूप में विकसित करना चाहते थे। उन्होंने कहा, मेरा सपना था कि इसे छह माह में पूरा कर दूं, लेकिन अब कह नहीं सकता कि इस पर आगे कितना काम हो पाएगा। सराय काले खां स्थित बासेरा पार्क में एक भव्य बांस का गुंबद बनाने की उनकी योजना थी। इसके लिए पास की कुछ अतिरिक्त जमीन पर काम भी शुरू करवा दिया गया था। अब मिशन लद्दाख पर रहेगा ध्यान उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपनी तरफ से उन्होंने अधिकतम प्रयास किए, लेकिन अब उनकी प्राथमिकता लेह-लद्दाख को संवारना होगी। लद्दाख की भौगोलिक और रणनीतिक चुनौतियों के बीच वहां विकास कार्यों को गति देना उनके लिए

वकील से एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में लॉरेंस बिश्नोई समेत तीन बरी, सबूतों के अभाव में कोर्ट का फैसला

दक्षिणी दिल्ली। साकेत कोर्ट ने एक वकील से एक करोड़ रुपये की रंगदारी वसूली के प्रयास से जुड़े मामले में शुक्रवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई समेत हरेन सरपदादिया और आशीष शर्मा को बरी कर दिया है। फैसला मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नूपुर गुप्ता की अदालत ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता ने यह आरोप नहीं लगाया कि धमकी के कारण उसने किसी को पैसा या संपत्ति दी थी, जबकि जबरन वसूली का अपराध के लिए डर दिखाकर धन या संपत्ति को जुटाना जरूरी है। केवल धमकी देना या पैसे की मांग करना, बिना किसी भुगतान के, जबरन वसूली का अपराध नहीं बनता। रिकार्ड में आरोपितों के

खिलाफ ऐसा कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य भी नहीं मिला जिससे आरोप साबित हो सकें। 2023 में दर्ज कराई थी शिकायत सनलाइट कालोनी थाना क्षेत्र में रहने वाले रमनदीप सिंह ने अप्रैल साल 2023 में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि 23-24 अप्रैल की रात उन्हें एक अज्ञात नंबर से कई बार फोन आए, जिनमें एक करोड़ रुपये की मांग की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज की थी। जांच के बाद दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने लॉरेंस बिश्नोई, हरेन सरपदादिया, आशीष शर्मा और संपत नेहरा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। बचाव पक्ष ने कहा, नहीं हुई कोई बरामदगी सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपितों की भूमिका से जुड़े आवश्यक तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखा है। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि आरोपितों का नाम एफआईआर में नहीं था और उनके पास से कोई बरामदगी भी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी केवल सह आरोपितों के बयान के आधार पर की गई थी। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद पाया कि आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इसके आधार पर अदालत ने तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

क्या पब्लिक में अपना इमेज मेकओवर चाहती है दिल्ली पुलिस? दिल्ली वालों के साथ अब सोशलाइज करेंगे पुलिस वाले

पश्चिमी दिल्ली। राजधानी में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ दिल्ली पुलिस अब आम जनता से सीधा संवाद और गहरा जुड़ाव बनाने की दिशा में नई नई योजनाएं और कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। जिससे आम जनता सीधे रूप से पुलिस से जुड़ सके। पुलिस अधिकारी के अनुसार इसका उद्देश्य आम लोगों के मन में अब भी रहने वाले पुलिस के प्रति भ्रांतियों को खत्म करना है। द्वारका, पश्चिमी और बाहरी जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे प्रभावशाली सोशल इनिशिएटिव प्रोग्राम ने पुलिस की छवि को केवल एक सख्त सुरक्षा बल से बदलकर एक मददगार मित्र और मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया है। वरिष्ठ नागरिकों का स्मार्ट साथः सुरक्षा और सम्मान एक साथ पश्चिम जिला पुलिस द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्मार्ट एल्डर्स जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज के बुजुर्गों को यह अहसास

कराना है कि पुलिस हर कदम पर उनके साथ है। स्वास्थ्य और सुरक्षाः मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों के माध्यम से बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखा जा रहा है। डिजिटल कवचः साइबर सेल की टीमें विशेष सत्र आयोजित कर बुजुर्गों को डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन फ्राड जैसे खतरों से बचने के लिए प्रशिक्षित कर रही हैं। पहचान और अपनापनः बुजुर्गों को सीनियर सिटीजन आई-कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा बुजुर्गों का जन्मदिन मनाना और मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन करना खाकी और नागरिकों के बीच के भावनात्मक बंधन को दशार्ता है।
बुक बैंक से शिक्षा की अलखः पुलिस अब समाज के भविष्य को संवारने में भी अपनी भूमिका निभा रही है। पश्चिम जिले में बुक बैंक पहल के तहत जरूरतमंद बच्चों को किताबों के सेट वितरित किए जा रहे हैं ताकि आर्थिक तंगी शिक्षा के आड़े न आए। इस कार्य में सहयोग देने वाले नागरिकों को पुलिस द्वारा सम्मानित कर सामुदायिक सेवा को बढ़ावा दिया जा रहा है। सशक्त बेटियांः द्वारका जिले में बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर चलाए जा रहे हैं। स्कूलों में छात्राओं को सुरक्षा के पैंतरे सिखाकर उनमें आत्मविश्वास भरा जा रहा है, जिससे वे निडर होकर अपने सपनों को पूरा कर सकें। जागरूकता का संदेशः नुक्कड़ नाटकों और नशा मुक्त भारत अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जा रहा है। जन संपर्क वाहन मोहल्लों में घूम-घूम कर साइबर अपराधों और महिला सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है। बड़ा खाना और सामुदायिक भागीदारी बाहरी जिला पुलिस सामुदायिक भागीदारी को नई ऊंचाई पर ले जा रही है। बड़ा खाना जैसे कार्यक्रमों में पहली बार आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन और मीडिया प्रतिनिधियों को पुलिस के साथ एक मेज पर आमंत्रित किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और लोक संगीत के जरिए सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया जाता है।

दिल्लीवाले ध्यान दें! पीएम मोदी के बुराड़ी दौरे पर इन सड़कों पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

बाहरी दिल्ली। डीडीए उत्सव स्थल-3, निरंकारी मंडल के सामने आधिकारिक समारोह के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वीआईपी आठ मार्च को विभिन्न आवासीय परियोजनाओं और दिल्ली मेट्रो के कई खंडों के उद्घाटन के लिए डीडीए उत्सव स्थल, बुराड़ी ग्राउंड का दौरा करेंगे। यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यातायात प्रबंधन के लिए सुबह 7:30 बजे से कई कदम उठाए गए हैं। बंद की जाने वाली सड़कें शांति स्वरूप त्यागी मार्ग

कैंप चौक से बुराड़ी चौक तक, शाह आलम बांध मार्ग (शांति स्वरूप त्यागी मार्ग टी प्वाइंट से मजलिस पार्क रेड लाइट तक) सुबह 7.30 बजे से दो बजे तक बंद रहेंगी। केवल लेबल वाले वाहनों को इन सड़कों पर यात्रा करने की अनुमति होगी। यहां से मार्ग परिवर्तित किए जाएंगे सभी यातायात किंग्सवे कैंप चौक से डायवर्ट किए जाएंगे और उन्हें आयोजन स्थल बुराड़ी चौक की और जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा के लिए बुराड़ी फ्लाईओवर मुकुंदपुर फ्लाईओवर लें और बुराड़ी चौक और मुकुंदपुर चौक से बचें।
100 फुटा बुराड़ी रोड से आने वाले यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे बुराड़ी मेट्रो स्टेशन से बंध रोड लें और बुराड़ी चौक से बचें।

यमुनापार की सड़कों पर खुल गए सेकेंड बाइकों के शोरूम, मेन रोड से लेकर सर्विस लेन तक अतिक्रमण का राज

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार की सड़कों पर चलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। सुगम आवाजाही के लिए बनी सड़कों पर अवैध पार्किंग, रेहड़ी-पटरी, ढाबे और वाहन मैकेनिक ने कब्जा जमा लिया है। यहां तक की सड़कों पर ही पुरानी बाइकों के शोरूम तक खुल गए हैं। स्थानीय लोगों और राहगीरों का आरोप है कि इलाके में मुख्य मार्ग से लेकर सर्विस लेन तक अतिक्रमण से बेहाल हैं। प्रशासनिक नियम पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है । शाहदरा, कोटला गांव, लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर, गीता कॉलोनी और प्रीत विहार की सड़कों पर वाहन कम चलते हैं, इनपर दुकानें ज्यादा लगी दिखाई देती हैं। इसके कारण इन सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। पैदल यात्री सड़कों के बीच चलने को मजबूर हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लोगों ने बताया कि सड़क पर अवैध कब्जे पर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूरी की जाती है। संजय झील और कोटला गांव के बीच से गुजर रही सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगी नजर आती है। इनमें कुछ वाहन सही-सलामत तो कुछ वाहनों के पार्ट्स खुलकर सड़क पर बिखरे रहते हैं। दरअसल, यहां बीच सड़क पर कई वाहन मैकेनिकों का कारोबार चलता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां की यह स्थिति कई वर्षों से है। इसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सड़क पर लगभग दो किलोमीटर तक का हिस्सा वाहन गैराज में तब्दील हो गया है। शाहदरा जीटी रोड पर ट्रक, ऑटो और रेहड़ी-पटरी का डेरा शाहदरा के पास जीटी रोड का अतिक्रमण के कारण बुरा हाल है। बीच सड़क पर ट्रक और क्रेन खड़े होने से वाहनों की आवाजाही के लिए आधे से भी कम जगह बची है। बिना रिफ्लेक्टर के खड़े इन वाहनों से अंधेरे में दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहीं रेहड़ी-पटरी और ई-रिक्शा के कारण पूरे जीटी रोड पर दिन भर वाहन रेंगते रहते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन कार्रवाई कर जिन रेहड़ी पटरी को जब्त कर ले जाता है, कुछ दिन बाद फिर वही दोबारा दिखाई देते हैं। कृष्णा नगर में सड़क बना है अवैध पार्किंग का अड्डा कृष्णा नगर स्थित लाला लाजपत राय चौक को इलाके की आवागमन को सुगम और व्यवस्थित रखने के लिए बनाया गया था, लेकिन अब आलम यह है कि पूरा चौक ही अवैध वाहन पार्किंग स्थल में बदल गया है। इसके कारण पूरे सड़क पर भीषण जाम लगता है। इलाके के लोग इस रास्ते का उपयोग करने से बचते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां लोग मनमाने तरीके से बीच सड़क पर वाहन पार्क करते हैं। गीता कालोनी और पटपड़गंज रोड पर पुरानी बाइकों के शोरूम भी सड़क को घेरे हैं लेकिन इनपर कार्रवाई नहीं होती।

कुत्ता काटे तो दिल्ली के इन 2 अस्पतालों में न जाएं, नहीं मिलेगी एंटी-रेबीज वैक्सीन; जीटीबी में बढ़ा दबाव

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली सरकार का दावा था कि किसी भी सरकारी अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि इन दिनों लोगों को कुत्ता काटने के बाद अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन न होने से परेशान होना पड़ रहा हैं। आलम यह है कि यमुनपार के ज्यादातर अस्पतालों में वैक्सीन ही नहीं है। जीटीबी अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध है तो यहां मरीजों को घंटों लाइन में लगकर वैक्सीन लगवानी पड़ती है। शास्त्री पार्क स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल और डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान में एंटी रेबीज वैक्सीन खत्म होने से मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा हैं। दोनों अस्पतालों में वैक्सीन खत्म होने के कारण जीटीबी अस्पताल पर मरीजों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, जीटीबी में रोजाना दो हजार से अधिक नए मरीज एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं। इसके अलावा करीब एक हजार पुराने मरीज भी अपनी अगली डोज लगवाने के लिए अस्पताल आते हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल में लंबी कतारें लग रही हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। टिटनेस का इंजेक्शन लगाकर किया जा रहा रेफर जीटीबी में आने वाले करीब 80 प्रतिशत मरीज अन्य अस्पतालों से रेफर होकर पहुंच रहे हैं। अपनी बारी का इंतजार कर रही पूजा निगम ने बताया कि उनके छह वर्षीय बेटे को गली के कुत्ते ने काट लिया था। वह उसे लेकर जग प्रवेश अस्पताल पहुंचीं, जहां डॉक्टर ने ओपीडी कार्ड बनाकर टिटनेस का इंजेक्शन लगा दिया। पूजा के अनुसार, डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन खत्म हो गई है, इसलिए उन्हें आगे की वैक्सीन के लिए जीटीबी अस्पताल जाने की सलाह दी गई। इसके बाद वह बेटे को लेकर जीटीबी अस्पताल पहुंचीं, जहां पहले से ही मरीजों की लंबी कतार लगी हुई थी।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिसकर्मियों को मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा रविवार को वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी, में आयोजित कार्यक्रम में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली जनपदीय पुलिस की महिला पुलिसकर्मियों को मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला पुलिसकर्मियों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें

भविष्य में भी इसी प्रकार निष्ठा और लगन के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जनपद अमरोहा के समस्त क्षेत्राधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला पुलिसकर्मियों द्वारा कविता पाठ एवं गीत गायन की सुंदर प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिनकी उपस्थित लोगों द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा समाज में महिलाओं की भूमिका को सम्मानित करना रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनपद अमरोहा पुलिस ह्लसशक्त महिला झ्र सुरक्षित समाजह्व के संकल्प के साथ महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

sab ka sapna 09 March 2026:Layout 1 08-03-2026 21:23 Page 7

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूज़ीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)

जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)

क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)

क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)

हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)

ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिर्वसिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

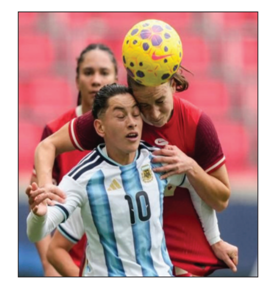

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है। शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था। रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

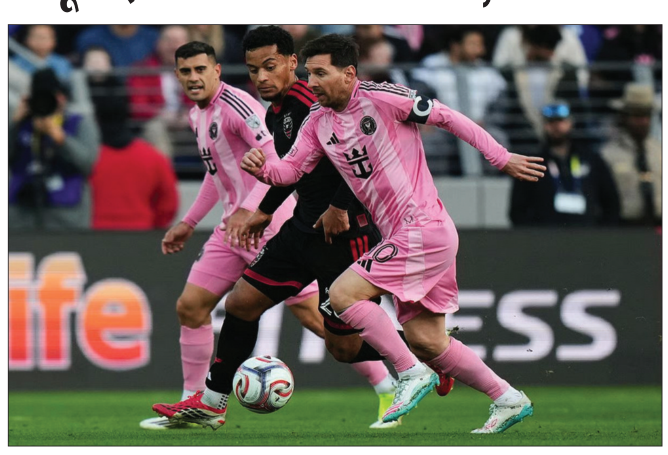

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था। मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11–0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0–11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5–0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन–यी ने दी मात

बर्मिंघम । भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन–यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15–21, 20–22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर–अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं । सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

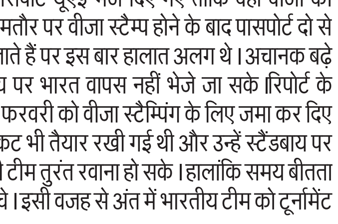

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

8 हिंदी दैनिक सब का सपना

मनोरंजन

अमरोहा
सोमवार 09 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

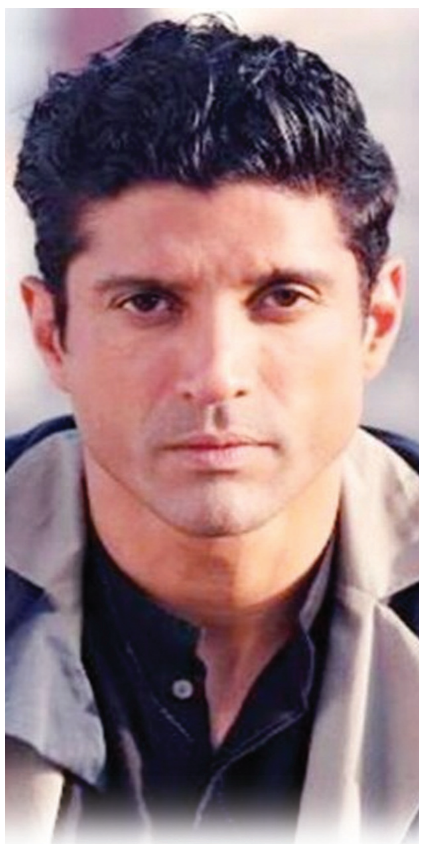

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्सः ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरू हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कंटेस्टेंट प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा की कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं भी एक जैसी नहीं है। वो पर्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदख्शी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरु हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छोरियां चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।

अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'। फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वारसी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरी हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स

प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेन्नई एक्सप्रेस' (डांस नंबर) और मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

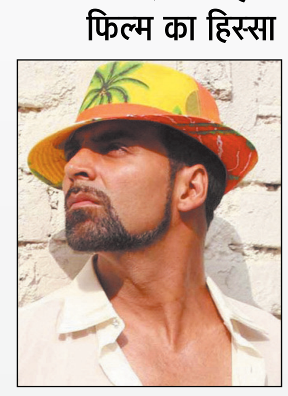

पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेलः खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेलः खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।